ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 19 नवम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 196

ट्रम्प, जिनपिंग और पुतिन पहली बार आमने-सामने, शेनझेन में तीन परमाणु महाशक्तियों की ऐतिहासिक बैठक



24 न्यूज अपडेट

बीझिंग। चीन के शेनझेन शहर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच पहली त्रिपक्षीय बैठक हो रही है। दुनिया की तीन प्रमुख परमाणु शक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों की इस मुलाकात पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें टिकी हैं। बैठक की शुरुआत परमाणु हथियारों के खतरे और वैश्विक शांति पर चर्चा से हुई। जिनपिंग ने परमाणु हथियारों को मानवता के सिर पर लटकती तलवार बताते हुए इनके पूरी तरह उन्मूलन की बात कही। उन्होंने तीनों देशों से शीत युद्ध की मानसिकता छोड़कर आपसी सहयोग बढ़ाने और एक-दूसरे को साझेदार के रूप में देखने की अपील की। पुतिन ने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध में चीन, रूस और अमेरिका ने मिलकर जीत हासिल की थी। ऐसे में दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन तीनों बड़ी शक्तियों की है। वहीं, ट्रम्प ने पहली बार तीनों देशों के एक साथ बैठने को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई। उन्होंने कहा कि मतभेद रखने वाले देशों से बातचीत बंद करने से समस्याएं हल नहीं होतीं, बल्कि संवाद से ही समाधान का रास्ता निकलता है।

ताइवान और संप्रभुता का मुद्दा भी उठा

बैठक में जिनपिंग ने ट्रम्प को ताइवान के मुद्दे पर सावधानी बरतने की सलाह दी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, जिनपिंग ने कहा कि तीनों देशों को एक-दूसरे की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और महत्वपूर्ण हितों का सम्मान करना चाहिए। संवेदनशील मुद्दों पर एक-दूसरे की सीमाएं नहीं लांघनी चाहिए।

व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर सहयोग की अपील

जिनपिंग ने तीनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास बड़ा बाजार, रूस के पास प्राकृतिक संसाधन और चीन के पास मजबूत विनिर्माण क्षमता है। तीनों देश अपनी ताकत का साझा इस्तेमाल करें तो सभी को फायदा हो सकता है। उन्होंने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी मिलकर काम करने की जरूरत बताई। जिनपिंग ने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि 80 साल पहले तीनों देशों ने फासीवाद के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ी थी। आज भी दुनिया के सामने कई क्षेत्रीय संघर्ष और सुरक्षा चुनौतियां हैं। ऐसे में बड़ी शक्तियों को शांति और स्थिरता के लिए साझा जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

ठोस समझौते पर संशय

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों के बीच इस बैठक से किसी बड़े समझौते की उम्मीद को लेकर संदेह भी है। किंग्स कॉलेज लंदन के युद्ध अध्ययन विशेषज्ञ समीर पुरी के अनुसार, चीन वैश्विक तनाव कम रखना चाहता है, जबकि रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अपने रणनीतिक हितों को साधने की कोशिश कर सकता है। ऐसे में बैठक का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि शुरुआती बयानों के बाद तीनों देश किसी ठोस सहमति तक पहुंचते हैं या नहीं।

PF से 90% तक रकम निकाल सकेंगे,पहले 75% लिमिट थी:बेरोजगारी-बीमारी और बच्चों की पढ़ाई के लिए विड्रॉल कर सकेंगे



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने पीएफ खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए निकासी के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है। नए प्रावधानों के तहत अब पात्र कर्मचारी अपने पीएफ खाते में जमा राशि का 90 प्रतिशत तक निकाल सकेंगे। इससे पहले यह सीमा 75 प्रतिशत थी। इस फैसले से उन कर्मचारियों को राहत मिलेगी, जिन्हें नौकरी छूटने, बीमारी या परिवार की अन्य जरूरी जरूरतों के समय पैसों की आवश्यकता होती है। नए नियमों के तहत पीएफ की रकम निकालने की प्रक्रिया को भी सरल बनाने पर जोर दिया गया है। बेरोजगारी, बीमारी, बच्चों की पढ़ाई और अन्य निर्धारित जरूरतों के लिए खाताधारक निकासी कर सकेंगे। इससे कर्मचारियों को अपनी जमा पूंजी का इस्तेमाल जरूरत के समय करने में आसानी होगी।

नौकरी छूटने पर निकासी के नियमों में भी बदलाव

नौकरी छूटने की स्थिति में पीएफ निकासी के लिए प्रतीक्षा अवधि में भी बदलाव किया गया है। अब नौकरी जाने के दो महीने बाद पात्र सदस्य निकासी कर सकेंगे। पहले इसके लिए 12 महीने की प्रतीक्षा अवधि का प्रावधान था। इससे बेरोजगार हुए कर्मचारियों को आर्थिक जरूरतों के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

कर्मचारियों को क्या होगा फायदा?

पीएफ से निकासी की सीमा 75 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत।

बेरोजगारी की स्थिति में दो महीने बाद निकासी की सुविधा।

बीमारी और बच्चों की पढ़ाई जैसी जरूरतों में रकम निकालने में आसानी।

सोना 7 दिन में 12 हजार, चांदी 24 हजार टूटी, निवेशकों की मुनाफावसूली से सर्राफा बाजार में भारी गिरावट



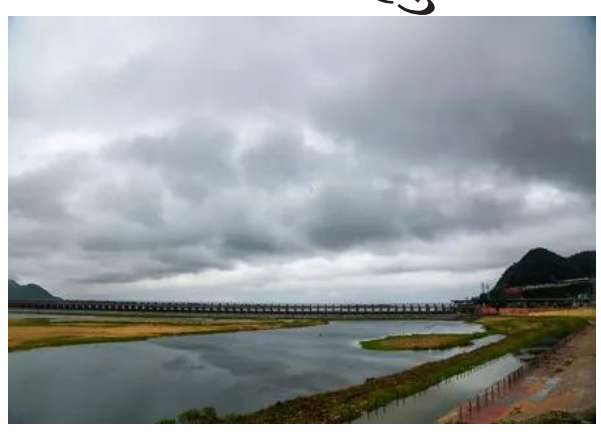
डॉलर मजबूत, ऊंचे भाव पर निवेशकों की बिकवाली

बाजार में गिरावट के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर की मजबूती और बड़े निवेशकों की मुनाफावसूली को प्रमुख वजह माना जा रहा है। सोने-चांदी की कीमतें ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद निवेशकों ने बिकवाली शुरू की, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर घरेलू सर्राफा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। रिकॉर्ड ऊंचाई से चांदी 2.18 लाख रुपए नीचे इस साल चांदी की कीमतों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव रहा। 31 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2.30 लाख रुपए प्रति किलो था। इसके बाद 29 जनवरी 2026 को यह बढ़कर 3.80 लाख रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अब भाव घटकर 1.62 लाख रुपए के आसपास आ गया है। इस तरह रिकॉर्ड ऊंचाई से चांदी करीब 2.18 लाख रुपए प्रति किलो नीचे आ चुकी है। सोने में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1.33 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी 2026 को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा भाव 1.30 लाख रुपए से नीचे आने के साथ सोना अपने उच्चतम स्तर से करीब 46 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले सात कारोबारी दिनों में सोना करीब 12 हजार रुपए और चांदी करीब 24 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। गुरुवार को भी दोनों कीमती धातुओं के भाव में गिरावट दर्ज की गई। लगातार टूटते भाव से जहां निवेशकों की चिंता बढ़ी है, वहीं खरीदारी का इंतजार कर रहे ग्राहकों को राहत की उम्मीद नजर आने लगी है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, गुरुवार को 24 कैरेट सोने का भाव 10 ग्राम पर 1,179 रुपए गिरकर 1.30 लाख रुपए से नीचे आ गया। वहीं, चांदी की कीमत में प्रति किलो 2,158 रुपए की कमी आई और भाव घटकर 1.62 लाख रुपए रह गया।

राजस्थान में होगा चक्रवात 'अकवान' का असर:बादल छाएंगे, तापमान में गिरावट की भी आशंका; माउंटआबू से ठंडा फतेहपुर



24 न्यूज अपडेट

बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात 'अकवान' का हल्का प्रभाव राजस्थान में भी देखने को मिल सकता है। इस चक्रवात के असर से कोटा संभाग का मौसम बदलने की संभावना है। यहां हल्के बादल छा सकते हैं।

उत्तरी हवाओं के असर से बीकानेर संभाग के अलावा शेखावाटी के एरिया में तापमान 2 डिग्री तक गिर सकता है। पिछले 24 घंटे में मौसम साफ रहा और तेज धूप रही।

बीकानेर, अजमेर, अलवर, जयपुर, कोटा, फलोदी, सीकर समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। सबसे ठंडा इलाका सीकर का फतेहपुर रहा।

सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के वांटेड जीशान अख्तर का नाम आया सामने



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस जांच में जुट गई है। धमकी के मामले में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के वांटेड आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आया है। हालांकि, पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है कि धमकी वास्तव में जीशान ने दी है या किसी दूसरे व्यक्ति ने उसकी पहचान का इस्तेमाल किया है। मुंबई पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियां धमकी के पीछे किसी गैंग की भूमिका के साथ फर्जी पहचान और तकनीक के इस्तेमाल की आशंका भी खंगाल रही हैं। पुलिस धमकी भेजने के स्रोत और डिजिटल फुटप्रिंट की जांच कर रही है। गौरतलब है कि 15 जनवरी 2025 को सैफ अली खान के बांद्रा स्थित सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसे हमलावर ने उन पर चाकू से हमला किया था। इस हमले में अभिनेता गंभीर रूप से घायल हुए थे और उन्हें कई जगह चोटें आई थीं।

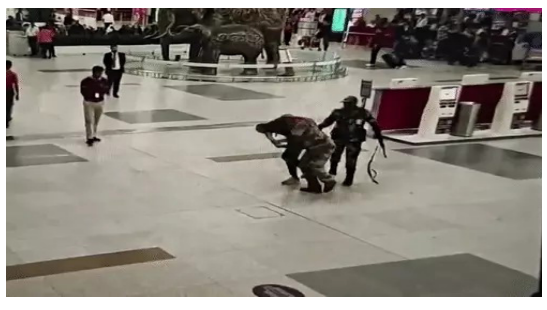
तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी मिल चुकी धमकी

पुलिस अधिकारी के अनुसार, इससे पहले अभिनेता तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी धमकियां मिली थीं। इन मामलों में बेंगलुरु निवासी 30 वर्षीय वैभव मिश्रा को गिरफ्तार किया गया था। वह आईआईटी ग्रेजुएट बताया गया। जांच में उसके किसी गैंग से जुड़े होने की बात सामने नहीं आई थी। आरोप था कि वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल कर कलाकारों को धमकी दे रहा था।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांटेड है जीशान

धमकी में जिस जीशान अख्तर का नाम सामने आया है, वह अक्टूबर 2024 में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में वांटेड है। पुलिस के अनुसार, उस पर शूटरों को लॉजिस्टिक मदद देने और साजिश में भूमिका निभाने का आरोप है। वह लंबे समय से फरार है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सैफ को मिली धमकी के पीछे जीशान अख्तर है, किसी गैंग का हाथ है या किसी ने फर्जी पहचान के जरिए डर फैलाने की कोशिश की है। धमकी देने वाले की आधिकारिक पहचान अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

बिना वीजा विदेश जाने की जिद! सोनीपत के एथलीट ने IGI एयरपोर्ट पर सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की, चंद सेकंड में दबोचा



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। विदेश जाने की जिद में हरियाणा के एक एथलीट ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (IGI) एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की कोशिश की। बिना वीजा और वैध यात्रा दस्तावेजों के वह टर्मिनल-3 के डिपार्चर गेट से जबरन अंदर घुस गया। हालांकि, CISF की सतर्कता और क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) की तेजी के चलते उसकी कोशिश कुछ ही सेकंड में नाकाम हो गई। जवानों ने उसे घेरकर पकड़ लिया और दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवक की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी कुनाल के रूप में हुई है। वह एथलीट है और फिलहाल पश्चिम बंगाल में रहकर ट्रेनिंग कर रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया कि वह किसी भी कीमत पर विदेश जाना चाहता था, लेकिन उसके पास विदेश यात्रा के लिए जरूरी वीजा और अन्य वैध दस्तावेज नहीं थे।

चेकिंग स्टाफ को चकमा देकर टर्मिनल में दौड़ा

जानकारी के अनुसार, कुनाल ने टर्मिनल-3 के डिपार्चर गेट पर तैनात चेकिंग स्टाफ को चकमा देकर अंदर प्रवेश किया और तेजी से एयरपोर्ट के भीतर की तरफ दौड़ने लगा। उसकी इस हरकत पर सुरक्षाकर्मी तुरंत अलर्ट हो गए। इसके बाद गेट पर तैनात CISF जवानों और QRT ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक गेट से अंदर घुसकर भागता दिखाई दे रहा है। CISF के अनुसार, जवानों की त्वरित कार्रवाई से उसे प्रतिबंधित क्षेत्र में आगे बढ़ने से पहले ही काबू कर लिया गया।

CISF की शिकायत पर FIR, पुलिस कर रही पूछताछ

CISF जवानों ने कुनाल को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस को सौंप दिया। CISF की आधिकारिक शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह बिना जरूरी दस्तावेजों के एयरपोर्ट के भीतर किस तरह विदेश जाने की योजना बना रहा था।

संपादकीय : सफर का जोखिम

उत्तराखंड में यात्रियों से भरी एक बस के खाई में गिर जाने और उसमें कई लोगों की मौत की घटना से एक बार फिर यही जाहिर हुआ है कि पहाड़ी राज्यों में एक से दूसरी जगह जाना एक तरह से जोखिम का सफर बनता जा रहा है। यह दुर्घटना पिछले कुछ समय से लगातार हो रहे सड़क हादसों की सिर्फ एक कड़ी है, जिसमें चालक की मामूली गलती, लापरवाही या फिर सड़क की स्थिति की वजह से नाहक ही लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। गौरतलब है कि मंगलवार को हरिद्वार से जोशीमठ जा रही एक बस बदरीनाथ उच्चमार्ग पर अनियंत्रित होकर सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें नौ लोगों की जान चली गई और पच्चीस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं उत्तराखंड के ही रुद्रप्रयाग में सोमवार की देर शाम बांसवाड़ा- कंडारा मोटर मार्ग पर एक बोलेरो वाहन बेलगाम होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में चार की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। इसके अलावा, राज्य में अलग-अलग हादसों में सत्रह लोगों की जान चली गई, जबकि पैंतीस लोग घायल हो गए। जाहिर है, एक-दो दिनों के भीतर हुए हादसों के इस सिलसिले ने फिर से यह सोचने की जरूरत को रेखांकित किया है कि आखिर पहाड़ी राज्यों में इस तरह के हादसे बार-बार क्यों सामने आते हैं। ताजा हादसों के बाद संभव है कि सरकार की ओर से घटनाओं की जांच कराने, पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की घोषणा की जाए, लेकिन इस तरह की औपचारिकताओं के कुछ ही समय बाद सड़कों पर फिर से पूर्ववत चलने लगता है। ऐसा लगता है कि सरकारी महकमे आगे फिर कोई हादसा होने का इंतजार करने लगते हैं। सवाल है कि अगर पहाड़ी राज्यों में होने वाले हादसों की वजहों की पहचान हो गई है, तो उसे दूर करने की कोशिश को लेकर सरकार किस हद तक ईमानदार और गंभीर है। इन इलाकों में सड़क के एक तरफ ऊंचे पहाड़ हो सकते हैं, तो दूसरी ओर कई हजार फुट गहरी खाई । क्या ऐसे इंतजाम किए जाते हैं कि अगर कोई वाहन सड़क पर चलते हुए अनियंत्रित हो जाए, तो उसके खाई में गिरने से रोकने के लिए सड़क किनारे सुरक्षा दीवार जैसी व्यवस्था हो ? विडंबना यह है कि पिछले कुछ समय से इस तरह के हादसे सामने आ रहे हैं, जिन्हें सावधानी रख कर टाला जा सकता था। मगर एक समस्या जहां सड़क पर हादसों के लिहाज से संवेदनशील जगहों पर वाहन चलाते हुए चालक की हड़बड़ी को लेकर सावधान न रहने की है, वहीं सड़कों की बनावट भी कई बार हादसों की तीव्रता को त्रासद बना देती है। खासतौर पर पहाड़ी इलाकों में सड़कों के किनारे खाई की तरफ 'पैराफिट' या सुरक्षा दीवार और 'क्रैश बैरियर' का पुख्ता इंतजाम कई वैसे हादसों की आशंका या उसमें मौतों की संख्या को कम कर सकती है, जिनमें चालक से कोई मानवीय चूक की संभावना रहती है। इसके अलावा, सड़क पर वाहन चलाने व यात्रियों को ले जाने से संबंधित कायदों पर सख्ती का दायरा प्रशासन से लेकर खुद वाहन चालकों तक के लिए अनिवार्य होना चाहिए। सिर्फ अच्छी सड़कें सुरक्षित सफर को सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। जरूरी यह है कि हादसों पर काबू पाने और जोखिमरहित सफर के लिए हर नियम लागू करने के साथ सड़कों पर चलने वाले वाहनों को भी बेलगाम होने से रोका जाए।

दृश्यता की दीवार

भारत में इंस्टाग्राम की सामग्री सिफारित प्रणाली में बदलाव की मेटा की घोषणा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल युग की एक महत्त्वपूर्ण चुनौती की ओर संकेत करती है। आज सोशल मीडिया मंच महज संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सूचना, विचार और जनमत को प्रभावित करने वाली शक्तिशाली संस्थाएं बन चुके हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर कौन तय करेगा कि उपयोगकर्ता क्या देखें और क्या नहीं। मेटा का कहना है कि उन्नत कृत्रिम मेधा की मदद से यौन संकेतों वाली और हिंसक सामग्री की दृश्यता कम की जा रही है। भारत जैसे देश में, जहां करोड़ों युवा और किशोर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, यह पहल स्वागतयोग्य है। लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि एल्गोरिद्म अक्सर ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं जो सनसनी, उत्तेजना व विवाद के जरिए अधिक जुड़ाव पैदा करती है। इससे सामाजिक तनाव, गलत सूचना व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ते हैं। इस पहल का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। दरअसल, कई उपयोगकर्ताओं की शिकायत रही है कि संदर्भविहीन शिकायतों के आधार पर उनकी वैसी सामग्री भी तुरंत हटा दी जाती है, जिनका संदर्भ किसी जरूरी मसले पर असहमति जताने भर से होता है या वह किसी मामले का दूसरा पक्ष होता है। दूसरी ओर, कई बार विवादास्पद सामग्री लंबे समय तक मंच पर रहती है और प्रसार भी पाती है। यह विरोधाभास बताता है कि निगरानी की व्यवस्था त्रुटिरहित नहीं है। यहीं पारदर्शिता का प्रश्न सामने आता है। यदि किसी सामग्री को सीमित किया जाता है तो उसके मानक स्पष्ट होने चाहिए। साथ ही, उपवेगकर्ताओं को निष्पक्ष अपील और समीक्षा की प्रभावी व्यवस्था भी मिलनी चाहिए। केवल यह दावा करना पर्याप्त नहीं कि शिकायतें घटी हैं, कंपनियों को निर्णयों की प्रक्रिया और मापदंडों को भी सार्वजनिक करना चाहिए। डिजिटल सुरक्षा आवश्यक है और इससे व्यापक हित सुनिश्चित होना चाहिए। लेकिन स्वस्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया मंचों की विश्वसनीयता इसी पर निर्भर करेगी अखिरकार, समस्या यह नहीं कि लोगों को क्या दिखाया जा रहा है, यह भी है कि क्या छिपाया जा रहा है और किस आधार पर।

विलासिता की कथा अनंता : एक ही कंपनी के रिसॉर्ट में 64 विला-कॉटेज, IAS शिखर अग्रवाल की मुश्किलें बढ़ीं, हाईकोर्ट ने ACB जांच पर रोक लगाने से किया इनकार

सरकार से मांगा जवाब, 24 विला 11-11 लाख रुपए में खरीदने का मामला भी जांच के दायरे में



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। आलीशान रिसॉर्ट, करोड़ों की संपत्तियां और एक ही कंपनी से परिवार के सदस्यों के नाम पर विला-कॉटेज की खरीद। राजस्थान के आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल से जुड़ा यह मामला अब हाईकोर्ट की चौखट तक पहुंच गया है। 64 विला-कॉटेज की खरीद को लेकर चल रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की जांच रोकने की अग्रवाल की मांग पर हाईकोर्ट ने फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। शिखर अग्रवाल ने 17 नवंबर को याचिका दायर कर अपने खिलाफ एसीबी की जांच को चुनौती दी थी। गुरुवार सुबह करीब 10:40 बजे हुई सुनवाई में अदालत ने जांच पर रोक लगाने से इनकार करते हुए पहले सरकार का पक्ष सुनने का निर्णय लिया। इसका मतलब है कि फिलहाल एसीबी जांच जारी रख सकेगी। इधर, एसीबी ने 18 नवंबर को शिखर अग्रवाल सहित गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड यानी अनंता रिसॉर्ट्स के मालिकों और निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसमें कंपनी के निदेशक मुकुंद शरण गोयल, प्रबंध निदेशक संजय गोयल और अन्य को भी आरोपी बनाया गया है।

ढाई साल में एक ही कंपनी से परिवार के नाम 40 विला-कॉटेज

इस मामले का खुलासा 27 अक्टूबर को हुआ था। सामने आया कि शिखर अग्रवाल, उनकी आईपीएस पत्नी प्रशाखा माथुर, दोनों बेटों और सास-ससुर ने करीब ढाई साल के भीतर एक ही कंपनी से 40 विला-कॉटेज खरीदे थे। खुलासे के बाद शिखर अग्रवाल और प्रशाखा माथुर को उनके पदों से हटाकर एपीओ कर दिया गया। इसके बाद 31 अक्टूबर को एसीबी ने शिखर अग्रवाल के खिलाफ प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज कर पड़ताल शुरू की। जांच आगे बढ़ी तो संपत्तियों की संख्या और उनके खरीद मूल्य को लेकर कई सवाल सामने आए। एसीबी की प्राथमिक जांच में 64 विला-कॉटेज से जुड़े सौदों की पड़ताल की जा रही है।

59 लाख कीमत वाले विला 11 लाख रुपए में खरीदे जांच में सामने आया कि जयपुर के अनंता रिसॉर्ट में शिखर अग्रवाल ने अपने दोनों बेटों के नाम पर 24 विला खरीदे थे। ये विला 11-11 लाख रुपए में खरीदे जाने की बात सामने आई, जबकि कंपनी के ब्रोशर में प्रत्येक विला की कीमत 59 लाख रुपए दर्शाई गई थी। घोषित कीमत और ब्रोशर में बताई गई कीमत के इस बड़े अंतर ने जांच को और गंभीर बना दिया है। बुझड़ा में एक ही दिन खरीदे 20 विला, फिर कंपनी को लीज पर दिए एसीबी की प्राथमिक जांच के अनुसार, 3 अक्टूबर 2023 को उदयपुर के बुझड़ा स्थित अनंता रिसॉर्ट में शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी के नाम पर 10-10 विला खरीदे गए। कुल 20 विला की कीमत 15-15 लाख रुपए बताई गई। खास बात यह रही कि खरीद के उसी दिन इन विला को परपेचुअल लीज डीड के जरिए रेवेन्यू शेयरिंग के लिए वापस कंपनी को सौंप दिया गया।

अजबगढ़ के सौदों में भी कीमतों पर सवाल

इस साल 27 मार्च को अलवर के अजबगढ़ स्थित अनंता रिसॉर्ट में 20 और विला खरीदे गए। ये विला अग्रवाल, उनकी पत्नी, दोनों बेटों और सास-ससुर के नाम पर 14 लाख से 16.5 लाख रुपए प्रति विला की दर से खरीदे जाने की बात जांच में सामने आई। एसीबी के अनुसार, इन विला की खरीद कीमत डीएलसी दर से करीब 3.5 लाख से 4.5 लाख रुपए कम थी। जबकि इसी रिसॉर्ट में दूसरे खरीदारों को डीएलसी दर से करीब 6 लाख रुपए अधिक कीमत पर विला बेचे गए। एसीबी का आरोप है कि इस व्यवस्था से कंपनी को करीब 2 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाया गया। 20 विभागों से रिकॉर्ड मांगे, अब नोटिस देकर पूछताछ की तैयारी एसीबी ने मामले की जांच एएसपी प्रशांत कौशिक को सौंपी है। जांच के तहत करीब 20 विभागों से रिकॉर्ड और दस्तावेज मांगे गए हैं। अब जांच अधिकारी शिखर अग्रवाल के साथ अनंता रिसॉर्ट्स के निदेशक संजय गोयल और मुकुंद शरण गोयल को पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने की तैयारी में हैं। नोटिस के जरिए उन्हें जांच में शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा। इस मामले में अब एसीबी की जांच और हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई दोनों महत्वपूर्ण होंगी। एक ओर संपत्तियों की खरीद, उनकी कीमत, भुगतान और कंपनी के साथ हुए समझौतों की जांच होगी, वहीं दूसरी ओर 18 दिसंबर को सरकार के जवाब के बाद अदालत तय करेगी कि याचिका पर आगे क्या रुख अपनाया जाए।

जीएसटी नियमों में बदलाव अब होंगे आसान, सहज कर संवाद में समझाई गई नई व्यवस्था



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के 100 दिवसीय जीएसटी करदाता आउटरीच एवं हैंड-होल्डिंग कार्यक्रम के तहत केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय, उदयपुर की ओर से गुरुवार को जीएसटी भवन में 'सहज कर संवाद' करदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में लिए गए निर्णयों, नवीन प्रावधानों और उनके व्यावहारिक प्रभावों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में करदाताओं, व्यापारियों, उद्योग प्रतिनिधियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कर सलाहकारों एवं अन्य हितधारकों ने भाग लिया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य जीएसटी के हालिया बदलावों को सरल एवं सहज भाषा में समझाना, कर प्रक्रियाओं की जानकारी देना और कर अनुपालन को अधिक सुगम बनाना रहा। इस अवसर पर केंद्रीय जीएसटी उदयपुर के आयुक्त गौरव सिन्हा ने कहा कि सहज कर संवाद का उद्देश्य जीएसटी अनुपालन को सरल बनाना, स्वैच्छिक कर अनुपालन को बढ़ावा देना और विभाग तथा करदाताओं के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि विभाग करदाताओं का सहयोगी है। कर संबंधी जानकारी के अभाव में होने वाली त्रुटियों को दूर करने और प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए विभाग की ओर से निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाता रहेगा। संगोष्ठी में वक्ता सीए सौरभ नागदा ने जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक के प्रमुख निर्णयों, नवीन प्रावधानों तथा उनके करदाताओं, व्यापारियों और उद्योग जगत पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने विभिन्न जीएसटी प्रक्रियाओं, कर अनुपालन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं और व्यावहारिक चुनौतियों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मिलीं सांसद महिमा कुमारी मेवाड़



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद/बेंगलुरु। राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने गुरुवार को बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से शिष्टाचार भेंट की। वे मुख्यमंत्री की ओर से राष्ट्रमंडल महिला सांसद (CWP) भारत क्षेत्र सम्मेलन के प्रतिनिधियों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल हुईं। इस दौरान सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने सम्मेलन के सफल और गरिमामय आयोजन के लिए मुख्यमंत्री शिवकुमार का आभार जताया। इस अवसर पर उनके साथ सहयोगी सांसद स्वाति मालीवाल भी मौजूद रहीं। गौरतलब है कि 17 और 18 नवंबर को बेंगलुरु में आयोजित यह सम्मेलन CWP भारत क्षेत्र का पहला सम्मेलन था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से महिला सांसदों ने भाग लिया।

उदयपुर आने-जाने वाली रेलसेवाओं पर तकनीकी काम का असर, जयपुर ट्रेन 30 दिन राणाप्रतापनगर तक ही आएगी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अजमेर मंडल में राणाप्रतापनगर-घोसुंडा और बेरछा-उदयपुर सिटी रेलखंड के बीच तकनीकी कार्य के चलते रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इसके कारण उत्तर पश्चिम रेलवे की कुछ रेलसेवाएं आंशिक रूप से रद्द रहेंगी, जबकि एक ट्रेन को निर्धारित समय से देरी से चलाया जाएगा। जयपुर से उदयपुर आने वाले यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी हो सकती है, क्योंकि जयपुर-उदयपुर सिटी ट्रेन करीब एक महीने तक उदयपुर सिटी स्टेशन तक नहीं पहुंचेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, गाड़ी संख्या 20993 जयपुर-उदयपुर सिटी रेलसेवा 19 नवंबर से 18 दिसंबर 2026 तक जयपुर से रवाना होकर राणाप्रतापनगर तक ही संचालित होगी। इस अवधि में राणाप्रतापनगर से उदयपुर सिटी के बीच इसका संचालन आंशिक रूप से रद्द रहेगा। इसी तरह गाड़ी संख्या 59835 मंदसौर-राणाप्रतापनगर रेलसेवा 19 से 28 दिसंबर तक मंदसौर से रवाना होकर मावली तक ही चलेगी। मावली से राणाप्रतापनगर के बीच यह ट्रेन रद्द रहेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 59836 राणाप्रतापनगर-मंदसौर रेलसेवा भी 19 से 28 दिसंबर तक राणाप्रतापनगर के बजाय मावली से संचालित होगी। इस दौरान राणाप्रतापनगर-मावली के बीच इसका संचालन नहीं होगा।

जयपुर ट्रेन 15 मिनट तक रहेगी रेगुलेट

तकनीकी कार्य के चलते गाड़ी संख्या 20993 जयपुर-उदयपुर सिटी रेलसेवा को अलग-अलग अवधि में 15 मिनट रेगुलेट किया जाएगा। 19 से 28 नवंबर तक यह घोसुंडा-भूपालसागर करेरा रेलखंड के बीच, 29 नवंबर से 8 दिसंबर तक घोसुंडा-पांडोली रेलखंड के बीच और 9 से 18 दिसंबर तक घोसुंडा-फतेहनगर रेलखंड के बीच 15 मिनट रेगुलेट रहेगी।

चित्तौड़गढ़-असारवा ट्रेन भी 40 मिनट देरी से चलेगी

गाड़ी संख्या 69244 चित्तौड़गढ़-असारवा रेलसेवा 19 से 28 दिसंबर 2026 तक चित्तौड़गढ़ से अपने निर्धारित प्रस्थान समय से 40 मिनट देरी से रवाना होगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा की योजना बनाते समय प्रभावित रेलसेवाओं की जानकारी लेने की अपील की है।

उदयपुर में सेन समाज का सामूहिक एकादशी उद्यापन 4-5 दिसंबर को, 8 जोड़ों का पंजीयन पूरा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री सेन वरिष्ठ नागरिक मंडल एवं सेन महिला संगठन उदयपुर की ओर से सेन समाज की महिलाओं के लिए 4 और 5 दिसंबर 2026 को सामूहिक एकादशी उद्यापन आयोजित किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर शिवनगर, गायरियावास स्थित कार्यालय में बैठक हुई।

मंडल के संस्थापक संरक्षक राजेंद्र सेन ने बताया कि अब तक आठ जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। इच्छुक समाज की महिलाएं मंडल एवं महिला संगठन के पदाधिकारियों से संपर्क कर सकती हैं।

आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। पूजन सामग्री और भजन-कीर्तन की जिम्मेदारी सेन महिला संगठन को सौंपी गई है। वहीं भोजन एवं राशन सामग्री की व्यवस्था की जिम्मेदारी अशोक कुमार सांखला को दी गई है।

इसके अलावा 28 नवंबर को सेन भवन, मास्टर कॉलोनी में दीपावली मिलन समारोह के तहत गीत-संगीत एवं नृत्य कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं मंडल की ओर से 25 दिसंबर को 'आओ मंदिर चलें' कार्यक्रम के तहत इडाणा माताजी की एक दिवसीय यात्रा भी रखी गई है।

बैठक में मंडल एवं महिला संगठन के पदाधिकारी और समाजजन उपस्थित रहे।

8 लाख रुपए डीएलसी मूल्य वाली जमीन का बाजार मूल्य 5.51 करोड़ रुपए पाया, कोर्ट ने राजस्व नुकसान और कालेधन के लेन-देन की आशंका जताई



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जमीनों के सरकारी मूल्यांकन और वास्तविक बाजार मूल्य के बीच भारी अंतर के मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वत: संज्ञान लिया है। जालोर की एक जमीन के मामले में सामने आया कि उसकी डीएलसी दर महज 8 लाख रुपए थी, जबकि वास्तविक बाजार मूल्य 5.51 करोड़ रुपए आंका गया। यानी बाजार मूल्य सरकारी दर से करीब 70 गुना अधिक था। इसी डीएलसी दर के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री भी 8 लाख रुपए में हुई। कोर्ट ने इस अंतर को व्यापक जनहित से जुड़ा मुद्दा मानते हुए आशंका जताई कि ऐसी स्थिति से राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान हो सकता है और संपत्ति के वास्तविक मूल्य तथा रजिस्ट्री में घोषित मूल्य के बीच का अंतर कालेधन के इस्तेमाल का रास्ता खोल सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि डीएलसी दरें केवल रजिस्ट्री के लिए औपचारिक मूल्य तय करने का माध्यम नहीं हैं। जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) का गठन संपत्तियों का सर्वेक्षण कर उनके प्रचलित बाजार मूल्य का आकलन करने और उसी के अनुरूप दरें निर्धारित करने के लिए किया जाता है। इन दरों के आधार पर ही जमीन की रजिस्ट्री पर स्टांप ड्यूटी वसूली जाती है, जिससे राज्य सरकार को राजस्व मिलता है। अदालत के अनुसार, डीएलसी दरों का उद्देश्य संपत्ति का कम मूल्य दिखाकर स्टांप ड्यूटी से बचने और अघोषित धन के लेन-देन पर अंकुश लगाना भी है।

पहले भी राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को भेजा था आदेश

मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने 28 अक्टूबर 2026 के आदेश में उल्लेख किया कि अदालत ने 21 मई 2026 को भी इसी जमीन के मूल्यांकन में भारी अंतर पर गंभीर चिंता जताई थी। उस समय जांच अधिकारी ने अदालत का ध्यान एक ऐसे समझौते की ओर दिलाया था, जिसमें जमीन का मूल्य 5 करोड़ 51 लाख रुपए बताया गया था, जबकि उसके आधार पर की गई बिक्री की रजिस्ट्री केवल 8 लाख रुपए में हुई थी। उस समय अदालत ने इसे प्रथम दृष्टया राज्य के राजस्व को बड़ा नुकसान पहुंचाने वाला मामला बताते हुए राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को उचित कार्रवाई और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए थे। साथ ही मामले की आगे जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा था। आदेश की प्रति तत्काल कार्रवाई के लिए प्रमुख सचिव को भी भेजी गई थी। हालांकि, 28 अक्टूबर को पारित आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि इस संबंध में अब तक कोई आगे की कार्रवाई होती दिखाई नहीं दी है।

जमानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आया मामला

यह पूरा मुद्दा जालोर जिले से जुड़े तीन आरोपियों की जमानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आया। ये याचिकाएं विषाल सिंह, गौतम चंद और दौलत राम की ओर से दायर की गई थीं। अदालत ने माना कि जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य के राजस्व और डीएलसी दरों के निर्धारण जैसे व्यापक विषय पर आगे विचार करना उचित नहीं होगा। लेकिन मामला जनहित से जुड़ा होने के कारण इस पर अलग से न्यायिक विचार जरूरी है। इसी आधार पर अदालत ने रजिस्ट्री को स्वत: संज्ञान याचिका दर्ज करने और उसे मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, ताकि इसे उचित पीठ के सामने सुनवाई के लिए रखा जा सके। आदेश के अनुसार, संबंधित जमानत याचिकाओं का निस्तारण भी कर दिया गया।

डीएलसी दरों की समीक्षा का बड़ा मुद्दा

हाईकोर्ट की इस पहल से राजस्थान में जमीनों की डीएलसी दरें तय करने की प्रक्रिया और उनकी समय-समय पर समीक्षा का सवाल फिर चर्चा में आ गया है। यदि सरकारी दरें वास्तविक बाजार मूल्य से बहुत पीछे रह जाती हैं तो जमीन की रजिस्ट्री कम कीमत पर हो सकती है। इससे स्टांप ड्यूटी के रूप में सरकार को मिलने वाले राजस्व पर असर पड़ने के साथ वास्तविक सौदे और दस्तावेजों में दिखाई गई कीमत के बीच अंतर की स्थिति बन सकती है। अदालत ने इसी अंतर को अघोषित नकदी के लेन-देन की आशंका से जोड़ते हुए व्यापक जांच और विचार की जरूरत बताई है। यह आदेश जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने 28 अक्टूबर 2026 को जालोर से जुड़े मामले में पारित किया। प्रकरण का शीर्षक विषाल सिंह बनाम राजस्थान राज्य एवं संबंधित याचिकाएं है।

शराब के नशे में पिता-पुत्र से मारपीट, गोगुंदा थाने में मामला दर्ज

उदयपुर। गोगुंदा थाना क्षेत्र के काछबा गांव में शराब के नशे में एक व्यक्ति द्वारा पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मोजावतो का गुड़ा निवासी डूंगरसिंह (71) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 17 नवंबर की रात करीब 9 बजे हरीसिंह राजपूत ने शराब के नशे में उनके और उनके बेटे के साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपी हरीसिंह निवासी मोजावतो का गुड़ा के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2), 115(2) और 125 में मामला दर्ज किया है।

तेज रफ्तार कार ने किया हादसा, चालक के खिलाफ एफआईआर

उदयपुर। गोगुंदा थाना क्षेत्र में तेज गति और लापरवाही से कार चलाकर दुर्घटना करने का मामला दर्ज हुआ है। मेघवालों का मोहल्ला निवासी पूनमचंद (50) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 15 नवंबर की रात करीब 9:16 बजे कार आरजे 27 सीजी 1046 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दुर्घटना कारित की। पुलिस ने बीएनएस की धारा 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल सुनील कुमार कर रहे हैं।

जातिगत गाली-गलौज के बाद महिला से झगड़ा, देवर की अंगुली चबाने का आरोप

उदयपुर। गोगुंदा थाना क्षेत्र के पीपड़ गांव में जातिगत गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीपड़ निवासी वरदी बाई (33) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि भेरुसिंह राजपूत ने उनके साथ जातिगत अपमानजनक गाली-गलौज की और परेशान करते हुए झगड़ा किया। इस दौरान आरोपी ने उनके देवर के हाथ की अंगुली चबा ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 78(2) और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं 3(1)(आर), 3(1)(एस) व 3(2)(वीए) में मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच सीओ गिर्वा छगनजी पुरोहित कर रहे हैं।

गाली-गलौज कर मारपीट की, जान से मारने की धमकी देने का आरोप

उदयपुर। गोगुंदा थाना क्षेत्र के पीपड़ गांव में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज हुआ है। पीपड़ निवासी भेरुसिंह (48) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि रोशन और उसके साथियों ने उनके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रोशन सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 126(2) और 189(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सीओ गिर्वा छगनजी पुरोहित कर रहे हैं।

मकान किराये पर देकर अधिक रुपए मांगने का आरोप

उदयपुर। गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र में मकान किराये पर देने के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। रोहित सिंह निवासी आशीर्वाद भवन, रोशनजी की बाड़ी, सवीना ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि महेंद्र कुमार जैन निवासी हिरणमगरी सेक्टर-14 ने उन्हें मकान किराये पर दिया और इसके बाद निर्धारित किराये से अधिक रुपए की मांग कर धोखाधड़ी की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(2) और 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है।

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप

उदयपुर। वल्लभनगर थाना क्षेत्र के नवानियां में विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता जुला भील ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि 1 नवंबर 2023 से 22 सितंबर 2026 के बीच उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान किया और प्रताड़ित किया। पुलिस ने लालुराम भील निवासी नवानियां सहित संबंधित आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 85 और 316(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

नीमच का तस्कर भीलवाड़ा में 40 किलो डोडा-चूरा के साथ गिरफ्तार, कार जब्त



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ मांडल थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने कार्रवाई करते हुए कार से 40 किलो डोडा-चूरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से मध्य प्रदेश के नीमच निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही निसान माइक्रा कार भी जब्त की गई है। मांडल के कार्यवाहक थाना प्रभारी देवालाल और डीएसटी टीम ने आरजिया चौराहे से कीरखेड़ा की ओर जाने वाले रास्ते पर संदिग्ध निसान माइक्रा कार को रुकवाकर तलाशी ली। कार में रखे दो कट्टों से डोडा-चूरा मिला। तौल कराने पर इसकी मात्रा 40 किलो निकली। पुलिस ने कार चालक मध्य प्रदेश के नीमच जिले के श्रीपुरा निवासी कन्हैयालाल पुत्र नाथूलाल जाटिया को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुर थाना प्रभारी कन्हैयालाल को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी से डोडा-चूरा की खरीद-फरोख्त, सप्लाई के ठिकानों और तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

उदयपुर में मिलावटी घी बेचने पर कृष्णा दुग्ध डेयरी का लाइसेंस निरस्त, होटल का पनीर और मावा भी जांच में फेल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। त्योहारों पर खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हिरण मगरी सेक्टर-5 स्थित कृष्णा दुग्ध डेयरी का घी का सैंपल जांच में अनसेफ पाए जाने पर लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। वहीं होटल कमलदीप काया का पनीर और सूरजपोल स्थित मोहन मावा भंडार का मावा जांच में सब-स्टैंडर्ड पाया गया। सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि दीपावली के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए थे। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की गई है। कृष्णा दुग्ध डेयरी के संचालक शंकर पटेल को लाइसेंस निरस्तीकरण की सूचना दे दी गई है।

इसके अलावा ऋषभदेव जनरल स्टोर से लिए गए सरसों तेल के सैंपल की जांच में भी गुणवत्ता निर्धारित मानकों से कम पाई गई है।

मिलावट पर भारी जुर्माने और सजा का प्रावधान

सीएमएचओ के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत मिसब्रांड खाद्य पदार्थों पर 3 लाख रुपए तक, जबकि अमानक खाद्य पदार्थों पर 5 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। वहीं अनसेफ खाद्य पदार्थ पाए जाने पर मामले की गंभीरता के अनुसार 6 माह से लेकर आजीवन कारावास और 1 लाख से 10 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

विभाग ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मिलावट के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

अशोकनगर में जुआ खिलाने के आरोप में दो मामले दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र में जुआ खेलने और खिलाने के मामलों में पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुसार अशोकनगर के मोक्ष मार्ग पर रुपए-पैसों का दांव लगाकर जुआ खिलाने की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया गया। वहीं शमशान रोड स्थित अशोकनगर में नाहरमगरा स्कूल के पास भी जुआ खिलाने का मामला सामने आया। पुलिस ने दोनों मामलों में राजस्थान सार्वजनिक जुआ अधिनियम (आरपीजीओ) की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं। मामलों की जांच पुलिस अधिकारी कर रहे हैं।

सूरजपोल में सट्टे की पर्चियां लिखते युवक के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सूरजपोल थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टे का कारोबार करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सोहेल खान (22) निवासी झालावाड़, हाल घोलीमगरी, मस्तान बाबा, मल्लातलाई को सार्वजनिक स्थान पर पर्चियों पर सट्टे के अंक लिखकर लोगों से रुपए का दांव लगवाते पाया गया। पुलिस ने राजस्थान सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया है।

FLINTY COIN के नाम पर 87 लाख की ठगी, 10-15% मासिक मुनाफे का लालच देकर फंसाया; दो आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। हर महीने 10 से 15 प्रतिशत मुनाफे का लालच देकर फर्जी क्रिप्टो करेंसी FLINTY COIN में निवेश करवाने वाले गिरोह का जयपुर साइबर पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिए निवेशकों को बढ़ते मुनाफे का झांसा देकर 87 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ठगी की रकम से करीब एक करोड़ रुपए की एफडी करवाई और बाद में उसे गिरवी रखकर लोन लिया। इसी रकम से मर्सिडीज कार भी खरीदी गई थी, जिसे पुलिस पहले ही जब्त कर चुकी है। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सामोद निवासी घनश्याम कांदेल (35) और कालाडेरा, जयपुर ग्रामीण निवासी मोहित कलोया (27) के रूप में हुई है। दोनों को सेंट्रल जेल जयपुर से गिरफ्तार किया गया है।

कंपनी का ऑफिस खोलकर बनाया भरोसा

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने MOTION MODEXYS PVT. LTD. के नाम से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और ऑनलाइन गेमिंग कंपनी का कार्यालय खोला था। खुद को कंपनी का फाउंडर और को-फाउंडर बताकर लोगों को FLINTY COIN में निवेश के लिए प्रेरित करते थे। इसके लिए FLINTY.LIVE नाम से फर्जी वेबसाइट और एप तैयार किया गया था। इस पर निवेशकों को उनकी जमा रकम और बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाई देता था। आरोपी पोंजी स्कीम के तरीके से लोगों को फंसाते थे। शुरुआत में निवेश की रकम पर 10 से 15 प्रतिशत तक मासिक मुनाफा लौटाया जाता था। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ता गया और कई लोग अपनी जमापूंजी के अलावा कर्ज लेकर भी निवेश करने लगे। जब बड़ी रकम जमा हो गई तो आरोपियों ने भुगतान बंद कर दिया। इसके बाद FEMA एक्ट लागू होने और पेमेंट गेटवे बंद होने का हवाला देकर रकम लौटाने से बचते रहे।

अगस्त 2024 में संपर्क कर 87 लाख निवेश करवाए

परिवादी के अनुसार, अगस्त 2024 में घनश्याम कांदेल और मोहित कलोया ने उससे संपर्क किया था। दोनों ने FLINTY COIN में निवेश पर हर महीने 10 से 15 प्रतिशत मुनाफे का भरोसा दिलाया। नवंबर 2024 से अगस्त 2025 के बीच आरोपियों ने ऑनलाइन और नकद माध्यम से उससे कुल 87 लाख रुपए ले लिए। भुगतान बंद होने पर परिवादी ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी क्राइम प्रदीप गोयल ने बताया कि आरोपी निवेशकों से रकम अलग-अलग बैंक खातों में जमा करवाते थे। इसके बाद एसबीआई और एचडीएफसी के खातों से रकम मुख्य आरोपी के अन्य खातों, जिनमें फेडरल बैंक के खाते भी शामिल थे, में ट्रांसफर की जाती थी। इस तरह अलग-अलग खातों के जरिए रकम को इधर-उधर किया जाता था। पुलिस अब ठगी की रकम के लेन-देन और अन्य संभावित पीड़ितों के संबंध में जांच कर रही है।

पिछोला के घाटों पर गंदगी देख महापौर नाराज, अलसुबह निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की पहचान पिछोला झील और उसके आसपास के पर्यटन स्थलों पर सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर पारस सिंघवी ने गुरुवार सुबह निरीक्षण किया। चांदपोल पुलिया के दोनों ओर झील किनारे और आसपास के कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था अपेक्षित स्तर की नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

महापौर ने चांदपोल पुलिया, दाईजी की पुलिया, गणगौर घाट, बागोर की हवेली और वार्ड 15 के विभिन्न इलाकों का जायजा लिया। इस दौरान झील किनारे कचरे की स्थिति, घाटों की सफाई और पर्यटकों व आमजन के आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाएं देखीं।

सिंघवी ने कहा कि पिछोला झील और आसपास का क्षेत्र उदयपुर की अंतरराष्ट्रीय पहचान का अहम हिस्सा है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। ऐसे में झील किनारे गंदगी और अव्यवस्था शहर की छवि को प्रभावित करती है। उन्होंने अधिकारियों को घाटों, पुलियों और पर्यटन स्थलों पर नियमित सफाई, विशेष निगरानी और व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही झीलों में गंदगी जाने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद प्रतीक नागर, समाजसेवी रणजीत दिगपाल मंडल, धर्मेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व पार्षद लोकेश कोठारी, जल संरक्षण समिति के तेजशंकर पालीवाल, पार्षद शंकर कसेरा और स्वास्थ्य निरीक्षक सुभाष चंद्र शर्मा सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी की जयंती पर शहर कांग्रेस ने किया नमन, राष्ट्र निर्माण में योगदान को किया याद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से गुरुवार को शास्त्री सर्किल स्थित होटल ग्लोबल इन कार्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया ने कहा कि इंदिरा गांधी का जीवन साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और देश के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उनके नेतृत्व में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त पहचान मिली। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, हरित क्रांति को प्रोत्साहन और बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में उनकी भूमिका ऐतिहासिक फैसलों में शामिल हैं। उन्होंने गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए भी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। पूर्बिया ने कहा कि आज उनके विचारों और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी के आदर्शों पर चलने और देश की एकता-अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, संगठन महामंत्री अरुण टांक, महामंत्री दिनेश कुमार दवे, ए ब्लॉक अध्यक्ष शंकर चंदेल, बी ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश शर्मा, बतूल हबीब, सोमेश्वर मीणा, पार्षद हिदायतुल्लाह, नजमा मेवाफरोश, मंडल अध्यक्ष महेश धनावत, यशवंत पालीवाल, अमित सुवालका, मोहम्मद रईस खान, बंसीलाल गवारिया, जगदीश कुमावत, धर्मेंद्र राजोरा, गणपत भादविया, संजय मंदवानी और शैलेश वाघेला सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

मासूम की हंसी से थी नफरत! दो साल के गुरसांझ को अगवा कर पड़ोसी की छत पर फेंका शव, गांव की महिला गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

मोहाली। पंजाब के मोहाली जिले के बल्लोपुर गांव में दो साल के मासूम गुरसांझ की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने गांव की ही रहने वाली सोनिका नामक महिला को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि महिला ने बच्चे को घर के बाहर खेलते समय अपने पास बुलाया और फिर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को कुछ समय अपने घर के कमरे में रखा और बाद में पड़ोसी के मकान की टिन की छत पर रख दिया, ताकि हत्या का शक दूसरे परिवार पर जाए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला का कुछ दिन पहले गर्भपात हुआ था। इस वजह से वह मानसिक तनाव और गुस्से में थी। बच्चे का घर के बाहर हंसना-खेलना उसे बर्दाश्त नहीं होता था। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि गर्भपात और हत्या के बीच वास्तव में क्या संबंध था।

20 घंटे तक परिवार करता रहा तलाश

बल्लोपुर निवासी गुरविंदर सिंह का दो साल का बेटा गुरसांझ 14 नवंबर को दोपहर करीब डेढ़ बजे घर के बाहर गली में खेल रहा था। कुछ देर बाद दादा बहादुर सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे आसपास तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। परिजनों ने गांव की गलियों, खेतों और रिश्तेदारों के यहां तलाश की। शाम तक कोई सुराग नहीं मिलने पर लालडू थाने में शिकायत दी गई। पुलिस ने बच्चे की तलाश के लिए तीन टीमें बनाई थीं। 15 नवंबर की सुबह बच्चे का शव घर से चार-पांच मकान दूर पड़ोसी राजबीर सिंह के मकान की टिन की छत पर मिला। शरीर पर चोट और खरोंच के निशान थे। शव मिलने के बाद परिवार ने हत्या की आशंका जताई।

पड़ोसी परिवार को फंसाने के लिए छत पर रखा शव

पुलिस जांच में सामने आया कि जिस मकान की छत पर शव मिला, उसके परिवार और बच्चे के परिजनों के बीच पहले से मनमुटाव था। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने इसी रंजिश का फायदा उठाकर शव वहां रखा, ताकि हत्या का संदेह पड़ोसी परिवार पर जाए। एसएसपी वरुण शर्मा के अनुसार, आरोपी सोनिका को 19 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। शुरुआती पूछताछ में उसने बच्चे को अपने घर ले जाने और हत्या करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के घर के एक बंद कमरे से कंबल, चादर और बच्चे के बाल मिले हैं। कमरे की चाबी आरोपी के पास थी। पुलिस ने इन वस्तुओं को जांच के लिए कब्जे में लिया है। आरोपी के नाखूनों के नमूने और डीएनए सैंपल भी लिए गए हैं। फॉरेंसिक जांच के जरिए घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले में अपहरण और हत्या की धाराओं में केस दर्ज है। घटना के बाद इलाके में नरबलि की आशंका को लेकर भी चर्चाएं हुईं, लेकिन पुलिस ने फिलहाल मामले को हत्या मानकर जांच करने की बात कही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और सभी परिस्थितिजन्य तथा फॉरेंसिक साक्ष्यों की पुष्टि की जा रही है।

इंदिरा गांधी की जयंती पर देहात कांग्रेस कार्यालय में पुष्पांजलि, नेताओं ने किया योगदान का स्मरण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उदयपुर देहात कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देहात कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने की। मीणा ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता-अखंडता और गरीबों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, गरीबी हटाओ अभियान और हरित क्रांति जैसे फैसले उनके नेतृत्व की महत्वपूर्ण पहचान हैं। उनका साहस और राजनीतिक नेतृत्व आज भी प्रेरणा देता है। इंटक नेता जगदीश राज श्रीमाली ने कहा कि देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में इंदिरा गांधी का योगदान अविस्मरणीय है। पूर्व जिला अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने उनके जीवन को संघर्ष और सेवा की मिसाल बताते हुए कहा कि उन्होंने देश की एकता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्व उप जिला प्रमुख लक्ष्मी नारायण पण्डया, पीसीसी सदस्य दरियाव सिंह चुंडावत, कल्याण सिंह राव, मोड़ सिंह सिसोदिया, मधु सालवी, रतनलाल पुरबिया, जमनालाल शर्मा, कौशल नागदा, महेश त्रिपाठी, राजेंद्र कुमार गोखरू, महेंद्र डामोर, कमलेश पटेल, नीना अग्रवाल, दीपक जैन, पंकज सुखवाल, गणेश मेघवाल, लक्ष्मी लाल सोनी, गोपाल सरपटा, प्रवीण सालवी, ओमप्रकाश गमेती, विकास मीणा, मोहम्मद खान, शिवलाल गुर्जर, ज्ञान प्रकाश सेन, भारत नाथ चौहान, बसंत नटवाल, राजेश मेनारिया, लक्ष्मी नारायण मेघवाल, ओमप्रकाश डांगी, महेंद्र सिंह राणावत, शंकर लाल मीणा और सुनील शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयपुर एयरपोर्ट की 7 फीट ऊंची दीवार फांदकर अंदर घुसा युवक, CISF ने पकड़ा, बोला- कुछ लोग पीछा कर रहे थे



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुरुवार को एक युवक टर्मिनल-2 के पास बाउंड्री वॉल फांदकर परिसर में घुस गया। वहां तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की पहचान पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले के नूखा निवासी नंदा दुलाल दास (40) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, युवक टर्मिनल-2 के पास दीवार पार करने का प्रयास कर रहा था। ड्यूटी पर तैनात CISF जवान ने उसे टोका, लेकिन वह अंदर घुस गया। इसके बाद जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने बताया कि कुछ लोग उसके पीछे पड़े थे। उनसे बचने के लिए वह एयरपोर्ट परिसर में घुसा था।

लकड़ियां जमा कर दीवार पर चढ़ा

CISF के एएसआई श्रवण कुमार की शिकायत पर एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया है। जांच अधिकारी एएसआई रामराज के अनुसार, आरोपी पश्चिम बंगाल में मजदूरी करता है और घूमते हुए जयपुर पहुंचा था। पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, उसने मंगलवार रात एयरपोर्ट के पास शराब पी। इसके बाद वहां पड़ी लकड़ियां इकट्ठी कर उनके सहारे करीब सात फीट ऊंची बाउंड्री वॉल पर चढ़ा और नुकीले तारों के बीच से होकर परिसर में कूद गया।

मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की बात, पुलिस जांच में जुटी

पुलिस के अनुसार, युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। हालांकि, उसके बताए तथ्यों की भी जांच की जा रही है। जांच अधिकारी घटनास्थल का मौका नक्शा तैयार करने के साथ संबंधित लोगों के बयान दर्ज कर रहे हैं। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश करेगी। आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुसार होगी।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान को लेकर देहात कांग्रेस की बैठक, बूथ स्तर पर वोटर लिस्ट का होगा सत्यापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान की तैयारियों को लेकर उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर आयोजित हुई।

बैठक में मीणा ने बताया कि अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर जाकर मतदाता सूची से हटाए गए नामों का सत्यापन करेंगे। इसके लिए बूथ स्तर पर वोट रक्षकों की नियुक्ति और उनका प्रशिक्षण किया जाएगा। 22 से 30 नवंबर 2026 तक हटाए गए मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा, जिसकी निगरानी मंडल अध्यक्ष करेंगे।

उन्होंने बताया कि सत्यापन के बाद ग्राम स्तर पर 'वोट बचाओ-देश बचाओ' चौपालें आयोजित की जाएंगी। इनमें हटाए गए मतदाताओं, बुजुर्गों और पंचायत प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा।

बैठक में 26 नवंबर 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले 'संविधान रक्षा मार्च' में अधिकाधिक कार्यकर्ताओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति भी बनाई गई। साथ ही वोट रक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, सत्यापन और प्रतिदिन की रिपोर्टिंग को लेकर निर्देश दिए गए।

मीणा ने सभी पदाधिकारियों से अभियान की गतिविधियों की रिपोर्ट, फोटो और समाचार पत्रों की कतरनों सहित प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजने तथा कांग्रेस कनेक्ट सेंटर पोर्टल पर अपलोड करने की अपील की।

बैठक में जगदीश राज श्रीमाली, रामलाल गाडरी, दरियाव सिंह चुंडावत, लक्ष्मी नारायण पण्डया सहित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

40 वर्षों की सामाजिक यात्रा को नाटिका में किया प्रस्तुत, महावीर युवा मंच का दिवाली स्नेह मिलन संपन्न

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री महावीर युवा मंच संस्थान एवं महिला प्रकोष्ठ की ओर से दिवाली स्नेह मिलन कार्यक्रम 'यादों के झरोखे से-2026' का आयोजन अशोका ग्रीन्स में किया गया। मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत ने कहा कि संस्थान की 40 वर्षों की यात्रा सदस्यों की मेहनत, समर्पण और सामाजिक सेवा का परिणाम है। कार्यक्रम में 1986 से अब तक की संस्थान की यात्रा को नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इसमें सामूहिक विवाह, तीर्थयात्रा ट्रेन, नारी गौरव अलंकरण और तपस्वी सम्मान सहित विभिन्न गतिविधियों की झलक दिखाई गई। महिला प्रकोष्ठ की ओर से 90 के दशक के सदाबहार गीतों पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। दिलीप सुराणा ने गीतों की प्रस्तुति दी। इस दौरान राजकुमार फत्तावत के जीतो उदयपुर चेयरमैन बनने पर उनका पगड़ी, उपरना और माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष अशोक कोठारी, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सोनल सिंघवी, महामंत्री प्रिया झगड़ावत सहित संस्थान के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। संचालन कल्पना वस्तावत और शशि सिरोया ने किया।



समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें - desk24newsupdate@gmail.com wathsapp : 8852073787

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।